औद्योगकि क्रांति

औद्योगिक क्रांति

औद्योगिक क्रांति, जो सामान्यतः वर्ष 1760 से वर्ष 1840 के बीच देखने को मिली, कृषि और हस्तशिल्प अर्थव्यवस्था से एक ऐसी अर्थव्यवस्था में परिवर्तन को संदर्भित करती है जो मुख्य रूप से उद्योग और मशीन-आधारित विनिर्माण द्वारा संचालित थी।

उत्पत्ति

- वर्ष 1760 से वर्ष 1840 तक हुआ; मुख्यतः ब्रिटेन में

ब्रिटेन में क्यों?

- बड़े जमींदारों ने छोटे खेतों को घेर लिया, जिसके परिणामस्वरूप उत्पादन में वृद्धि हुई (कृषि क्रांति)
- राजनीतिक स्थिरता के साथ आधुनिकीकरण करने वाला पहला देश
- एक सुदृढ़ बैंकिंग प्रणाली थी (बैंक ऑफ इंग्लैंड, 1694)
- समान कानून और एकल मुद्रा ने अखंडित बाज़ार को सुगम बनाया
- वस्तुओं पर कर कम किया गया

मशीनरी

- स्टीम इंजन

- स्पिनिंग जेनी

- पावरलूम

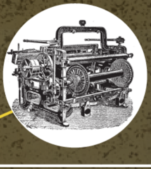

मुख्य उद्योग

- वस्त्र, लोहा और कोयला खनन
- लोहा निर्माण और कपास वस्त्र उद्योग मुख्य उद्योगों की श्रेणी में आते थे

श्रम आपूर्ति

- ग्रामीण श्रमिकों का शहरों की ओर पलायन, जिससे कार्यबल में वृद्धि हुई
- कृषि क्रांति ने श्रमिकों को शहरी व्यापार केंद्रों की ओर आकर्षित किया

परिवहन नवाचार

- परिवहन लागत में कमी
- कुशल माल परिवहन (नहरों और रेलवे के माध्यम से)

प्रमुख नवप्रवर्तक

- जेम्स वाट (स्टीम इंजन)
- रिचर्ड आर्कराइट [कताई मशीनें(spinning machine)]

औद्योगिक क्रांति का प्रभाव

आर्थिक प्रभाव:

- औद्योगिक पूंजीवाद→परिवर्तित अर्थव्यवस्थाएँ और विस्तारित व्यापार
- बड़े पैमाने पर उत्पादन → उपभोक्तावाद में वृद्धि
- स्वचालित कारखाने और मशीनीकरण

सामाजिक प्रभाव:

- पूंजीपति वर्ग और मज़दूर वर्ग का उदय → श्रम शोषण → वर्ग संघर्ष और सामाजिक असमानताएँ
- भीड़भाड़ वाले शहर और खराब कामकाजी परिस्थितियाँ
- बाल श्रम और काम के घंटों पर कानून की मांग

पर्यावरणीय प्रभाव:

- प्रदूषण, संसाधनों की कमी और जलवायु परिवर्तन

अंतर्राष्ट्रीय प्रभाव

- ब्रिटिश कारखानों के लिये नकदी फसलें उगाने को मज़बूर किसान
- कारखानों में उत्पादित वस्त्रों से हथकरघा बुनकरों को नुकसान
- उद्योगों का उदय; रेलवे की शुरुआत

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/industrial-revolution-1